हिन्दी विभाग

भाषा संकाय

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अधीन स्थापित)

धर्मशाला, जिला–कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश–176215

www.cuhimachal.ac.in

पाठ्यक्रम शीर्षक – हिंदी का प्रशासनिक अनुप्रयोग

पाठ्यक्रम कूट संकेत – HIL-453

स्तर – 4

श्रेय : 2 श्रेय

श्रेय तुल्यमान : 2 श्रेय

व्याख्यान, संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य, ट्यूटोरियल, शिक्षक नियंत्रित गतिविधियों /कार्य के 5 घंटे; और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य , सामूहिक कार्य, निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य, साहित्य समीक्षा, पुस्तकालय कार्य, तथ्य संग्रह, शोधपत्र लेखन, सेमिनार, प्रबंध लेखन, इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम परिणाम : हिन्दी का प्रशासनिक अनुप्रयोग पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी के व्यावहारिक एवं कार्यालयी पक्ष की जानकारी देते हुए उन्हें प्रशासनिक दृष्टि से हिन्दी की संभावना से अवगत कराना है | पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी व्यवहारिक स्तर पर हिन्दी के अनुप्रयोगों से लाभान्वित होंगे और भाषिक कुशलता अर्जित कर सकेंगे जिसका बहुआयामी प्रयोग जीवन के विविध क्षेत्रों में हो सकेगा |

अधिगम परिणाम : हिन्दी से जुड़े विभिन्न रोजगारपरक अवसरों से विद्यार्थियों को परिचित कराना पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम है | पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी अनुवाद की भाषा एवं कम्प्यूटर साधिक भाषा से लाभान्वित होंगे |

उपस्थिति अनिवार्यता : पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु विद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : 1. मध्यावधि परीक्षा - 20%

2.सत्रांत परीक्षा - 60%

3. सतत आतंरिक मूल्यांकन - 20 % (100 अंक में 20 अंक)

पाठ्यक्रम विषयवस्तु –

इकाई–1 हिन्दी भाषा : राजभाषा के विशेष सन्दर्भ में (4 घंटे)

1. सृजनात्मक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा
2. राजभाषा परिनियामावली (राजभाषा संबंधी संवैधानिक उपबंध)
3. राजभाषा अधिनियम (1963 ई. का सामान्य परिचय)

इकाई–2 प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध आयाम (4 घंटे)

1. पल्लवन, संक्षेपण, टिप्पण
2. कार्यालयी हिंदी
3. अखबारी हिंदी

इकाई–3 अनुवाद : एक परिचय (4 घंटे)

1. अनुवाद का स्वरूप एवं प्रकार
2. अनुवाद के सिद्धांत

3. अनुवाद के गुण

इकाई–4 व्यावसायिक हिंदी (4 घंटे)

1. व्यावसायिक पत्र लेखन
2. बैंकों में हिंदी का प्रयोग
3. हिंदी : विज्ञापन की भाषा

इकाई–5 हिन्दी भाषा का अनुप्रयोग (4 घंटे)

1. हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण
2. पारिभाषिक शब्द निर्माण
3. कम्प्यूटर साधिक हिन्दी भाषा

सम्भावित ग्रन्थ :

1. हिंदी सरंचना कौशल, डॉ. रामप्रकाश डॉ दिनेश कुमार गुप्त, राधाकृष्णन प्रकाशन, नई दिल्ली l
2. हिंदी भाषा विविध आयाम, डॉ नीना अग्रवाल, डॉ आभा सक्सेना, सतीश बुक डिपो, नई दिल्ली l
3. हिंदी: प्रयोग, क्षमता और संप्रेषण, डॉ पूर्णचंद टंडन, डॉ हरीश कुमार सेठी, किताबघर, नई दिल्ली l
4. लेखन-शैली दक्षता, डॉ कमला कौशिक, डॉ नीरज भारद्वाज, सतीश बुक डिपो, नई दिल्ली l
5. विज्ञापन और हिंदी भाषा, डॉ नरेंद्र कुमार "संत," श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली l
6. हिंदी : तब और अब, डॉ स्नेह चड्ढा, डॉ शशि सरदाना, अमित कुमार, सतीश बुक डिपो, नई दिल्ली l
7. भाषा विविध पक्ष, डॉ मुकेश अग्रवाल, के. एल. पचौरी प्रकाशन, गाजियाबाद।
8. अनुप्रयुक्त हिंदी, डॉ शशि सिंह, के. एल. पचौरी प्रकाशन, गाजियाबाद।
9. राजभाषा हिन्दी, डॉ. भोला नाथ तिवारी
10. प्रयोजिनी हिन्दी, प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित
11. अनुवाद के सिद्धांत और प्रयोग, डॉ. भोलानाथ तिवारी
12. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं, डॉ. भोलानाथ तिवारी